VIII th. SA II SSA PB
Hindi (IIND Lang) 26-04-16

			'कमल' 'द' लगाकर 'बादल' और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं- इस तरह अथवा अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करवाया जाये।
	निबन्ध : स्वतंत्रता दिवस	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2.स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताना। 3. स्वतंत्रता दिवस पर सुन/ देख/ समझकर अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.स्वतंत्रता दिवस पर किसी विशिष्ट व्यक्ति को बुलाकर स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया जाये। 2. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति के गीत, एकांकी, नृत्य,भाषण, फैन्सी ड्रैस प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जा सकता है। 3. स्वतंत्रता दिवस मनाने के बाद छात्रों को अपने शब्दों में निबन्ध लिखने के लिए कहा जाये। 4. अन्य मनाए जाने वाले राष्ट्रीय पर्वों- गणतन्त्र दिवस,गाँधी जयन्ती आदि की जानकारी दी जाये।
	फारमेटिव-2 मूल्यांकन		
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें व SA1 की तैयारी एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम: अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**पाठ-11** ईदगाह	1.छात्रों को सभी पर्व बिना किसी भेदभाव के आपस में मिलजुल कर मनाने के लिए प्रोत्साहित करना। 2.बुजुर्गों की सेवा-सुश्रुषा हेतु प्रेरित करना । 3.ईद और ईदगाह से परिचित कराना। 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति करवाना।	1.छात्रों से पूछा जाये कि यदि वे हामिद की जगह होते तो अपनी दादी के लिए क्या लाते और क्यों। 2.बच्चों को मुंशी प्रेमचंद जी की कहानियां पढ़ने के लिए कहा जाये। 3.यदि कोई मुस्लिम छात्र कक्षा में हो तो उसके माध्यम से भी पूरी कक्षा को ईद मनाने के बारे में भी बताया जा सकता है।उसके अनुभव कक्षा में बाँटे जायें।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	पाठ-12 ज्ञान और मनोरंजन का घर-साइंस सिटी	1.छात्रों को साइंस सिटी के बारें में पूरी जानकारी देना । 2.साइंस सिटी देखने जाने के लिए उत्साहित करना। 3.पंजाब सरकार की छात्रों को मुफ्त में साइंस सिटी दिखाने की योजना से अवगत कराना। 4.वैज्ञानिक सोच को विकसित करना।	1.बच्चों को किसी यात्रा का विवरण हिंदी मे सुनाने के लिए कहना । 2.साइंस सिटी में रुचि विकसित करने हेतु छात्रों को इंटरनेट पर भी इसकी जानकारी दी जा सकती है। 3.यदि किसी छात्र ने इसे पहले ही देखा हुआ है तो उसके अनुभव को कक्षा में साँझा करके भी अन्य छात्रों में भी साइंस सिटी देखने जाने की जिज्ञासा जागृत की जा सकती है। 4.साइंस सिटी सम्बन्धी चित्रों को इकट्ठा करके स्कैप बुक में लगवायें।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर छात्रों को शुद्ध - अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान

			करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : विशेषण की पहचान	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को विशेषण शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना।	1.पाठ्य-पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विशेषण शब्द रेखांकित करवाए जायें। 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विशेषण शब्दों की पहचान करवायी जाये।
	व्याकरण : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना। 2.गागर में सागर भरना अर्थात कम शब्दों में अधिक गहराई से लिखना सिखाना। 3.भाषा का प्रभावशाली प्रयोग करना सिखाना।	1.अधिक से अधिक उदाहरणों द्वारा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का अभ्यास करवाया जाये। 2.अनुच्छेद,पत्र लेखन आदि रचनात्मक लेखन में इनका प्रयोग सिखाया जाये।
	पत्र : आपके चाचा जी द्वारा आपके जन्मदिन पर भेजे उपहार के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए पत्र ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना। 4.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : सत्संगति	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 3.सत्संगति का महत्व बताना। 4. सत्संगति विषय पर सुनकर / समझकर अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.अच्छे लोगों की संगति करने से क्या लाभ होते हैं ?- इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2.बुरे लोगों की संगति से क्या हानि होती है? इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। सभी छात्रों से इस सम्बन्धी प्रश्न पूछकर उन्हें कक्षा में सत्संगति पर चर्चा में सक्रिय रूप से भागी दार बनायें। 3.इसके बाद छात्रों को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : विशेषण निर्माण	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना। 2.विशेषण निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया और अव्यय शब्दों के उदाहरणों द्वारा विशेषण निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.विशेषण निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनाया जाये।
	व्याकरण : क्रिया और काल	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रिया और काल का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रिया व काल का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रिया शब्द रेखांकित करवाये जायें तथा विभिन्न वाक्यों द्वारा तीनों कालों की पहचान करवायी जाये।
नवम्बर	**पाठ -13** माँ (कविता)	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.बच्चों को अपने माता पिता का आदर करने के लिए प्रेरित करना। 3.माँ की ममता को अद्वितीय रूप में दिखाना। 4.वात्सल्य रस से अवगत कराना।	1.कविता में निहित, लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.छात्रों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.अपने माता-पिता पर कुछ वाक्य बोलने/लिखने के लिए कहा जाये। 5.छात्रों से 'माँ' पर कोई अन्य कविता

			सुना/ सुनाया जा सकता है।
	व्याकरण : वाच्य	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.वाच्य का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्य देकर वाच्य की पहचान करवायी जाये। 2. वाच्य एवं उसके भेदों का चार्ट बनाया जाये।
	व्याकरण : क्रिया विशेषण	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रियाविशेषण का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रियाविशेषण का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रियाविशेषण शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 3.शब्द समूह में से क्रियाविशेषण सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	पत्र : मित्र के जन्म दिन पर उसे बधाई देते हुए पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.आत्मविश्वास विकसित करना। 4.सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना। 5. सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना। 6. इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखाना। 7.बधाई के कार्ड बनाने/खरीदने/बेचने का ज्ञान देना।	1.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 2.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 3.इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखायें। 4. विभिन्न अवसरों पर होने वाली ई-कार्ड प्रतियोगिताओं में कार्ड डिज़ाइन करके भेजना सिखाया जा सकता है।
	पाठ-14 सहयोग	1.छात्रों के मन में एक दूसरे के साथ मिलकर काम करने की भावना जगाना। 2.छात्रों को सामाजिकता का पाठ पढ़ाना। 3.उन्हें एन.एस.एस, एन.सी.सी.आदि का सदस्य बनाना। 4.अच्छा नागरिक बनाना ।	1.विद्यार्थियों को अपनी कल्पना के आधार पर 'सहयोग' सम्बन्धी कोई कहानी बोलने/लिखने की प्रेरणा देना । 2.'सहयोग जीवन का मूल मंत्र है- इस विषय पर सभी छात्रों से बारी बारी बोलने के लिए कहा जाये। 3.छात्रों से जाना जाये कि वे घर/स्कूल में किस तरह से सहयोग कर सकते हैं। 4.पढ़ाई में कमज़ोर छात्र की मदद करने को कहा जाये।
	व्याकरण : सम्बन्धबोधक	1. व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को सम्बन्धबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना। 3.रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सम्बन्धबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2.'रिक्त स्थानों की पूर्ति'/ 'मिलान करो' आदि द्वारा सम्बन्धबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा सम्बन्धबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	निबन्ध : कम्प्यूटर/ मोबाइल के लाभ और हानियाँ	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2. कम्प्यूटर/ मोबाइल के लाभ और हानियों से अवगत कराना।	1. कम्प्यूटर/ मोबाइल के प्रयोग करने से क्या लाभ होते हैं ?- इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2. कम्प्यूटर/ मोबाइल के प्रयोग करने से क्या हानि होती है? इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 3.सभी छात्रों से इस सम्बन्धी प्रश्न पूछकर उन्हें कक्षा में सत्संगति पर चर्चा में सक्रिय रूप से भागी दार बनायें। 4.इसके बाद छात्रों को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहा जाये।
	नोट :संज्ञा,सर्वनाम ,कारक, विशेषण, क्रिया,काल व वाच्य की पहचान की दोहराई करवायी जाये ।		

	फारमेटिव-3 मूल्यांकन		
दिसम्बर	**पाठ-15** वाघा बार्डर	1.बच्चों के मन में राष्ट्रीयता की भावना जगाना। 2.देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने योग्य बनाना। 3.व्यापारिक दृष्टिकोण से वाघा बार्डर का महत्व बताना। 4.बी.एस.एफ के बारे में, संक्षेप में ज्ञान देना। 5.रिट्रीट की रस्म से परिचित कराना।	1.छात्रों को वाघा बार्डर देखने जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाये और उन्हें अपने अनुभव एक डायरी में लिखने की प्रेरणा देनी चाहिए। 2.उन अनुभवों को कक्षा में बाँटा जाये। 3.रिट्रीट की रस्म के बारे में उन्हें पूरा ज्ञान दिया जाये। 3.क्या वाघा बार्डर को सैलानी केन्द्र बनाने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा अथवा नहीं-इस पर भी कक्षा में चर्चा की जाये।
	पाठ-16 गिरधर की कुंडलियाँ	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.छात्रों की अनुभूति और कल्पना शक्ति का विकास करना। 3.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करवाना। 4.छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास करना। 5.कुण्डलियाँ छंद का सामान्य ज्ञान देना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.छात्रों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है। 3. छात्रों को कुण्डलियाँ छंद का ज्ञान देते हुए अन्य कुण्डलियाँ छंद का प्रयोग करने वाले प्रसिद्ध कवि जैसे-कपिल कुमार ,त्रिलोक सिंह ठकुरेला आदि की कुण्डलियाँ भी पढ़ने को दी जायें। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : समुच्चयबोधक (योजक)	1. व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को समुच्चयबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना। 3.रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य-पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से समुच्चयबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' / 'मिलान करो' आदि द्वारा समुच्चयबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा समुच्चयबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. अधिकाधिक वाक्यों के द्वारा विराम-चिह्नों के उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा को प्रभावशाली से प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	नोट : लिंग परिवर्तन,वचन परिवर्तन,भाववाचक,विशेषण निर्माण,विपरीतार्थक, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द व पर्यायवाची शब्दों की दोहराई करवायी जाये ।		
जनवरी	**पाठ-17** मेरा दम घुटता है	1.बच्चों को प्रदूषण की समस्याआ के प्रति जागरूक करना और उसके समाधान के लिए प्रेरित करना। 2.रोचक ढंग से छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना। 3.निर्देशन,मेकअप,अभिनय आदि कलाओं में प्रवीण बनाना ।	1.छात्रों को विभिन्न गैसों आदि के पात्र बनाकर इस संवादात्मक पाठ को स्कूल मंच पर मंचित करवाया जाये। 2. 'पर्यावरण बचाओ' विषय पर पेंटिंग, नारा लेखन,भाषण,लेख,कविता ,एकांकी आदि प्रतियोगिताएं करवायी जायें।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर छात्रों को शुद्ध-अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये।

			2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' अथवा 'मिलान करो' आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : विस्मयादिबोधक	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को विस्मयादिबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना। 3. रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य-पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विस्मयादिबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विस्मयादिबोधक की पहचान करवायी जाये। 3. विस्मयादिबोधक का छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा प्रयोग सिखाया जाये।
	पाठ-18 अन्तरिक्ष परी कल्पना चावला	1.बच्चों के मन में वैज्ञानिक सोच उत्पन्न करना। 2.साइंस में विभिन्न प्रकार के रोज़गार के अवसरों की जानकारी देना। 3.अन्तरिक्ष संबंधी सामान्य जानकारी देना 4. अन्तरिक्ष परी कल्पना चावला के जीवन के प्रेरक प्रसंगों की झाँकी प्रस्तुत करना।	1.छात्रों से उनके जीवन के लक्ष्य के बारे में चर्चा की जाये ।सभी छात्रों से उनके लक्ष्य को जानकर उनका सही मार्गदर्शन किया जाये। 2.बच्चों को भारतीय महिला वैज्ञानिकों के बारे में जानकारी दी जाए।उनके नाम कॉपी में लिखने को कहा जाये। 3.यदि संभव हो तो उन्हें किसी ऐसे शिक्षण संस्था में ले जाया जाये,जहाँ एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई होती हो ताकि उन्हें एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग सम्बन्धी समुचित जानकारी मिल सके।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	पत्र : अपने मित्र को स्कूल में मनाए गणतन्त्र दिवस के बारे में बताते हुए पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3. राष्ट्रीय पर्वों का महत्व बताना। 4. सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना। 5.देश के संविधान के प्रति निष्ठावान बनाना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 5.26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस पर छात्रों को बोलने के पर्याप्त अवसर दिये जायें।
	निबन्ध : स्वच्छता अभियान	1.रचनात्मक प्रवृति का विकास करना। 2. देशप्रेम की भावना का विकास करना। 3. सफाई का महत्व बताना। 4.सफाई अभियान में क्रियाशील बनाना।	1.देश व्यापी लहर 'स्वच्छता अभियान' पर सफाई अभियान सम्बन्धी विचारों को सुनना/सुनाना। 2. स्वच्छता अभियान सम्बन्धी नारे लिखवाये जायें। 3. स्वच्छता अभियान में जागरूकता फैलाने के लिए एक टीम बनायें जो कि इस अभियान को क्रियान्वित रूप दे। 4.नेताओं/अधिकारियों /प्रशासन/स्कूल प्रशासन आदि द्वारा चलाए सफाई अभियान में अपनी भागीदारी बनायें।
फारमेटिव-4 मूल्यांकन			

फरवरी	पाठ-19 होंगे कामयाब	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.उनकी अनुभूति और कल्प शक्ति का विकास करना। 3.जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देना। 4.बच्चों को जीवन में कामयाब होने के लिए मन में विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना ।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.कविता का समूह गान करवाया जाये। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.जीवन में कामयाब होने के लिए किन गुणों की आवश्यकता होती है-इस विषय पर छात्रों को हिंदी में बोलने/ लिखने के अवसर दिये जायें।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा को प्रभावशाली से प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	पाठ-20 सरफरोशी की तमन्ना	1.बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से परिचित करवाना । 2. महान क्रांतिकारी देशभक्तों की कुर्बानियों से परिचित कराना। 3. देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना ।	1.इस एकांकी को राष्ट्रीय पर्वों पर सुविधानुसार मंचित किया जाये। 2.विद्यार्थियों को पूछा जाये कि यदि उन्होंने गुलाम भारत में जन्म लिया होता तो वे कैसे देश की आज़ादी में योगदान देते ।उन्हें इस सम्बन्ध में हिंदी में बोलने / लिखने का अवसर दिया जाये। 3.छात्रों को देशभक्ति गीत सुनाने के लिए भी कहा जा सकता है। 4.सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है,देखना है ज़ोर कितना बाज़ुए कातिल में है-इन पंक्तियों को अध्यापक द्वारा स्वयं पूरे जोश से बोला / पढ़ा जाये और छात्रों द्वारा इसका उसी जोश के साथ अनुकरण किया जाये।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द-भंडार में वृद्धि करना।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर छात्रों को शुद्ध-अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	पत्र : छुट्टी वाले दिन स्कूल के क्रीड़ाक्षेत्र (प्ले ग्राउंड)में क्रिकेट मैच खेलने की अनुमति लेने के लिए	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में छात्रों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास जागृत करना। 4.नेतृत्व की भावना जागृत करना। 5.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन:

	प्रिंसिपल को प्रार्थना पत्र।	लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	व्याकरण की दोहराई करवायी जाये।		
मार्च	**दोहराई और संकलित मूल्यांकन-2 की तैयारी (अक्तूबर से फरवरी का पाठ्यक्रम)**		

नोट : 1.उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठों के अभ्यास करवाये जायें।
2.अभ्यास गत अन्य प्रश्नों के साथ-साथ गुरुमुखी लिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यंत्रण और पंजाबी भाषा के शब्दों का हिंदी भाषा में अनुवाद करवाया जाये।
3.छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायें।
4. उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।

S.A.-2

विषय : हिन्दी सत्र : 2015-16

समय : 3 घण्टे HINDI VIII कुल अंक : 90

प्रश्न 1. **निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की व्याख्या करो ।** **(5)**

रब्बा मींह दे-पानी दे, पानी दे, पानी दे।
लू से झुलसी धरती को, इक नई ज़िन्दगानी दे।।
पानी से खेतों में सोना, नाचे गेहूँ-गाए झोना।
पानी है तो सब है दूना, बिन पानी कत्था क्या चूना।
पानी है तो है ज़िन्दगानी, पानी ख़त्म तो ख़त्म कहानी।
जीवन की कश्ती को, आकर नई रवानी दे।

या

जगने में उसके प्रभात है
सोने में उसके रात है।
जब हर विपदा को हराती माँ
तब हिमालय बन जाती माँ।

उत्तर— .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दो :— (2 × 5 = 10)

(क) पानी के बिना मवेशी और खेतों पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

उत्तर —

.....

.....

.....

.....

(ख) डायनासोर पार्क में कितनी तरह के डायनासोर हैं ?

उत्तर —

.....

.....

.....

.....

(ग) सहयोग का क्या अर्थ है ?

उत्तर —

.....

.....

.....

.....

(घ) बाघा बार्डर किन दो देशों के मध्य स्थित है ?

उत्तर —

.....

.....

.....

.....

(ङ) बिना विचारे काम करने से क्या होता है ?

उत्तर —

.....

.....

.....

.....

(च) पृथ्वी पर जीवन का मूल आधार क्या है ?

उत्तर —

.....

.....

.....

.....

(छ) माँ किसका वरदान है ?

उत्तर —

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 3. पंजाबी शब्दों को हिन्दी में लिखें:— (कोई पाँच) करे) (5)

ਅੰਗ੍ਰੇਜ਼ =

ਮੌਕਾ =

ਸਿਹਤ =

ਯਾਰ =

ਮੂਰਤੀ =

ਆਪਸੀ =

ਸਵੇਰ =

प्रश्न 4. शब्दों के अर्थ लिखो :— (कोई पाँच) करे) **(5)**

विपदा =

सीख =

कपोतराज =

एकमात्र =

चैन =

जीवनदायी =

अंतरिक्ष =

प्रश्न 5. मुहावरों के वाक्य बनाओ ताकि अर्थ स्पष्ट हो जाएं :- (कोई पाँच) करे) **(2 × 5 = 10)**

(क) चार चाँद लगाना :-

.....

.....

(ख) छक्के छुड़ाना :-

.....

.....

(ग) करारा जवाब देना :-

.....

.....

(घ) धावा बोलना :-

.....

.....

(ङ) गले मिलना :-

.....

.....

(च) पैरों में पर लगना :-

.....

.....

(छ) मन गद्‌गद् हो जाना :-

.....

.....

प्रश्न 6. निर्देशानुसार लिखें:— ~~(3 × 10 = 30)~~

(क) लिंग बदलो। (कोई तीन) (3)

राजा =

ऊँट =

दादा =

बूढ़ा =

(ख) वचन बदलो। (कोई तीन) (3)

पैसा =

खिलौना =

रात =

आँख =

(ग) भाववाचक संज्ञा बनाओ। (कोई तीन) (3)

सभ्य =

मनुष्य =

आवश्यक=

महान =

(घ) विशेषण बनाओ । (कोई तीन) करे (3)

अर्थ =

पाप =

नगर =

देश =

(ङ) शुद्ध अशुद्ध लिखो। (कोई तीन) (3)

अनगिणत =

बुराईयाँ = बुराइयाँ

परणाली =

खेलकुद =

(च) विपरीतार्थक शब्द लिखो । (कोई तीन) (3)

आगे =

विवेक =

जय =

सुविधा =

(छ) पर्यायवाची शब्द लिखो। (कोई तीन) (3)

पानी =

दु:ख =

किताब =

रात =

(ज) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो। (कोई तीन) (3)

जिसका कोई मोल न हो :-

आविष्कार करने वाला :-

गले का हार :-

देखने वाला :-

(झ) नये शब्द बनाओ। (कोई तीन) (3)

भूगोल + इक=

परिवार + इक=

क्रांति + कारी=

मेघ + आलय=

(ञ) विराम चिह्न लगाओ।

माँ मैं जलियाँवाले बाग़ की पावन धरती को प्रणाम करने गया था जहाँ वहशी गोरों ने हज़ारों स्त्री-पुरूष् बच्चे बूढ़ों को शहीद कर दिया। (3)

उत्तर —

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न ख. कोई एक निबन्ध लिखो :- **(15)**

होली, समय का सदुपयोग, दीवाली, गणतन्त्र दिवस, श्री गुरू नानक देव जी।

प्रश्न त. जन्मदिन पर भेजे उपहार के लिए मामा जी को धन्यवाद पत्र लिखो। **(10)**

या

स्कूल में पीने के पानी के उचित प्रबन्ध के लिए स्कूल के मुख्याध्यापक जी को एक पत्र लिखें।